रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 909] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 18, 2001/अग्रहायण 27, 1923

No. 909] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 18, 2001/AGRAHAYANA 27, 1923

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(पूंजी बाजार प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 2001

का.आ. 1227(अ).—भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (च) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्द्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ प्रतिभूति के रूप में आईसीआईसीआई लिमिटेड, मुम्बई द्वारा जारी किए जाने वाले ऋणपत्रों की प्रकृति के कुल 400 करोड़ रुपए मात्र से अनधिक मूल्य के अप्रतिभूत मोचनीय बांड (आईसीआईसीआई सेफ्टी बांड—शृंखला-VI) प्राधिकृत करती है :—

1. टैक्स सेविंग बांड ;
2. रेगुलर इन्कम बांड ;
3. मनी मल्टीप्लायर बांड (डीप डिस्काउंट बांड की प्रकृति के) ;
4. चिल्ड्रन ग्रोथ बांड ;
5. इन्कैश बांड;
6. गिल्ट रेट प्लस बांड।

[फा. सं. 6/16/सीएम/2001]

डा. जे. भगवती, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(CAPITAL MARKET DIVISION)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th December, 2001

S.O. 1227(E).—In exercise of the powers conferred by clause (f) of Section 20 of the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882), the Central Government hereby authorises the unsecured Redeemable Bonds (ICICI Safety Bonds—tranche-VI) in the nature of debentures as :—

1. Tax Saving Bond;
2. Regular Income Bond;
3. Money Multiplier Bond (in the nature of Deep Discount Bond);
4. Children Growth Bond;
5. Encash Bond;
6. Gilt Rate Plus Bond.

of the total aggregate value not exceeding rupees four hundred crores only to be issued by the ICICI Ltd., Mumbai, as a security for the purpose of the said section.

[F. No. 6/16/CM/2001]

DR. J. BHAGWATI, Jt. Secy.

3862 GI/2001

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.